New Variety of Bidi Tobacco

2038. SHRI YERRA NARAYANA SWAMY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether CTRI, Rajamundry has developed any new varieties of bidi tobacco for use in Andhra Pradesh;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether CTRI, Rajamundry is actively liaisoning with tobacco farmers growing bidi tobacco; and

(d) if so, the details thereof;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MOHD. AYUB KHAN): (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

(c) No, Sir.

(d) Question does not arise.

कृषि क्षेत्र में आर्थिक सुधारों के संबंध में विश्व बैंक के सुझाव

2039. **चौधरी हरमोहन सिंह:**
श्री नागमणि:

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्व बैंक ने यह सुझाव दिया है कि कृषि क्षेत्र में आर्थिक सुधारों को क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

(ख) यदि हां, तो क्या आर्थिक सुधारों से अब तक निर्धन व्यक्तियों को लाभ प्राप्त नहीं हुआ है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या विशेषज्ञों ने इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया है कि निर्धनता उन्मूलन के लिए उत्पादन में वृद्धि करनी होगी; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में क्या ठोस कदम उठाये जाने का प्रस्ताव है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (अ) जी हां। विश्व बैंक ने निजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारत को कृषि संरवचनात्मक संबंधी समायोजन का सुझाव दिया है, सरचानात्मक समायोजन के लिए सुझावों में शामिल है:—

(i) घरेलू कृषि बाजार का उदारीकरण।

(ii) कृषि व सीमा शुल्क सुधारों का विश्वव्यापीकरण।

(iii) सार्वजनिक व्यय की समीक्षा करना व इसके लिए पुनः सही माध्यम बनाना।

(iv) आदान संबंधी राज-सहायता की समीक्षा व इसे चरणबद्ध बखनाना।

(v) ग्रामीण ऋण संरचना का पुनर्गठन तथा युक्तिकरण।

(ख) और (ग) अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में आर्थिक सुधारों की तर्ज पर कृषि क्षेत्र को शामिल करने के लिए संरचनात्मक समायोजन का सुझाव दिया गया है। यह गरीबी कम करने के कार्यक्रमों पर किए गये किसी अध्ययन की वजह से नहीं है।

(घ) और (ङ) गरीबी कम करने के लिए वृद्धित उत्पादन मुख्य नीतियों में से एक है और इस संबंध में कई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। मुख्य योजनाओं में शामिल है:—

(i) बीज और उर्वरक जैसे आदानों का वृद्धित प्रयोग।

(ii) किसानों के लिए कृषि ऋण तक पहुंच के मार्ग को बढ़ावा।

(iii) मृदा संरक्षण तथा सिंचाई योजनाओं पर जोर।

(iv) समेकित कीट प्रबन्धन पर जोर।

(v) फ़ार्म विकास से सम्बद्ध अनुसंधान व शिक्षा पर जोर।

(vi) कृषि उत्पादन के लिए ढांचागत विकास तथा अन्य संयोजन।